भजन

तर्ज–जहां डाल डाल पर सोने

जहां कण–कण में ही नूर भरा,है शोभा अपरम्पारा
वो परमधाम है हमारा
1–कहीं फूल बाग कहीं नूर बाग,कहीं कुंज निकुंज सुहाना
है पाट घाट और सात घाट, फिर चांदनी चौक सुहाना
शोभा इनकी न मुख से हो, लगता है कितना प्यारा
वो परमधाम है हमारा..
2–आती है बहारें इच्छा से, और वृक्ष भी सजदा बजायें
पसु–पंखी वहां के मिल जुल कर, हैं गीत पिया के गायें
दिन रात पिया के दर्शन होते, बोलें जय–जयकारा
वो परमधाम है हमारा..
3–है मूल मिलावे की शोभा, अति सुन्दर अधिक निराली
श्री राजश्यामा जी बीच विराजे, सखियां बैठी खुशहाली
सुरता से देखें शोभा को, होता है अजब नजारा
वो परमधाम है हमारा.